



RNI NO - MPHIN/2020 /81503

जबलपुर, बुधवार 12 अगस्त 2026 ,श्रावण कृष्ण पक्ष 15 , विक्रम संवत -2083 वर्ष -7 अंक - 10 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए

जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

भाजपा नए-युवा चेहरों पर लगाएगी दांव! 2027 के निकाय चुनाव से भाजपा की तैयारी शुरू

नवप्रदेश/भोपाल ।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव 2028 से पहले भाजपा और कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है।

भाजपा ने अगले वर्ष प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनावों को विधानसभा चुनाव से पहले की बड़ी राजनीतिक परीक्षा मानते हुए संगठनात्मक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी की नजर प्रदेश के 413

नगरीय निकायों पर है। भाजपा की रणनीति में इस बार सबसे बड़ा बदलाव नए और युवा चेहरों को आगे लाने का है। पार्टी स्तर पर यह विचार किया जा रहा है कि 30 से 50 वर्ष आयु वर्ग के नेताओं को पार्षद पद के लिए अधिक अवसर दिए जाएं। महापौर और अध्यक्ष पद के लिए 60 वर्ष से कम उम्र के चेहरों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। पार्टी गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों

को भी चुनावी मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। वर्ष 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में महापौर के साथ नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्षों के चुनाव भी प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाने की प्रक्रिया तय की गई है। यानी मतदाता सीधे अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। वर्ष 2022 के चुनाव में महापौर को छेड़कर नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष

प्रणाली से हुआ था।

इस बदलाव के कारण भाजपा ने अभी से संभावित उम्मीदवारों और संगठनात्मक समीकरणों पर काम शुरू कर दिया है। नगरीय विकास विभाग द्वारा वाडों का पुनरीक्षण पूरा किया जा चुका है और राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का प्रकाशन कर चुका है। ऐसे में अब राजनीतिक दलों के पास चुनावी तैयारी के लिए स्पष्ट आधार उपलब्ध है।

एंटी-इनकमबेंसी से निपटने युवा चेहरों पर भरोसा



भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन निकायों में है, जहां वर्तमान अध्यक्षों और पार्षदों को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष की स्थिति बनी हुई है। पार्टी संगठन मानता है कि लंबे समय से पदों पर बने रहने वाले चेहरों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर एंटी-इनकमबेंसी पैदा हो सकती है। इसीलिए पार्टी सत्ता और संगठन में पीढ़ी परिवर्तन की रणनीति को निकाय चुनावों में भी लागू करने की तैयारी में है। 30 से 50 वर्ष आयु वर्ग के नेताओं को पार्षद पदों पर प्राथमिकता देने और अध्यक्ष-महापौर के लिए अपेक्षाकृत युवा चेहरों को सामने लाने पर विचार चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में अपवाद की गुंजाइश भी रखी जाएगी। भाजपा की

रणनीति का एक और अहम हिस्सा गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को निकाय चुनाव में अवसर देना है। पार्टी का मानना है कि ऐसे लोगों को आगे लाकर स्थानीय राजनीति में नई ऊर्जा और अपेक्षाकृत स्वच्छ छवि वाले चेहरे सामने लाए जा सकते हैं। हालांकि पार्टी के भीतर निकाय चुनावों को आगे बढ़ाने की संभावना पर भी विचार चल रहा है। नगरीय निकायों में अध्यक्षों के खिलाफ बढ़ते असंतोष और पार्षदों की गुटबाजी को नियंत्रित करने के लिए सरकार पहले ही अधिवास प्रस्ताव के नियमों में बदलाव कर चुकी है। अध्यादेश और बाद में विधेयक के माध्यम से अधिवास प्रस्ताव लाने की अवधि दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष की गई।

आज बेबाक

न सीरुद्दीन शाह को एक अन्य एक्टर पीयूष मिश्रा ने करारा जवाब दिया है। जंतरमंतर पर आंदोलन के दौरान इस जाहिल ने पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे थे और कहा था कि आंदोलन पर जो एक शब्द नहीं बोल रहे उनकी जुबान में हड्डी है। इस हड्डी के ढांचे से पीयूष मिश्रा ने पूछा है कि रांची के आंदोलन पर तुम्हारे जुबान से एक शब्द भी क्यों नहीं निकल रहा है बदजुबान? वाकई रांची के छत्र आंदोलन पर नसीरुद्दीन सहित उन तमाम लोगों की जुबान को लकवा मार गया है जो काकोरों के लिए टसुए बहा रहे थे।

क्रिकेटर अभिषेक पोरेल हुगली में गिरफ्तार

कोलकाता/ए। क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को मंगलवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले से गिरफ्तार किया गया है। एक मेडिकल छात्र ने उनके खिलाफ दुर्कर्म का गंभीर मामला दर्ज कराया था। आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झाला देकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। कलकत्ता हाईकोर्ट के कड़े आदेश के बाद यह कार्रवाई की गई है, क्योंकि पोरेल पर पीड़िता की निजी तस्वीरें और वीडियो लीक करने की धमकी देने का भी आरोप है। बंगाल के इस क्रिकेटर के खिलाफ यह शिकायत पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के मोगरा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी।

गरमा-गरम



10वीं टॉपर ने फर्जी आईएस बनकर कमाए 100 करोड़

n एंटीलिया जैसा घर, ब्राइवरलेस टेस्ला कार, 8 अकाउंट, 20 क्रेडिट कार्ड मिले फटना/ए। बिहार के खगड़िया में फर्जी आईएसएस अफसर मनीष गुप्ता की 100 करोड़ की संपत्ति का पता चला है। अब पुलिस इस बात की जांच में जुटी है कि मनीष ने कैसे ये संपत्ति जुटाई। उसे रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

41 साल के मनीष ने शादी नहीं की है। उसने करीब 7 हजार स्क्वेयर फीट जमीन पर मुकेश अंबानी जैसा घर बनवाया था, तकि वह सब पर नजर रख सके। 8 कि पढ़ाई की। 10वीं में उसने जिले में 20 क्रेडिट कार्ड और 8 बैंक



खातों का डिटेल मिला। 5 आईफोन और आईपैड भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब उसका नेटवर्क खंगालने में जुटी है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि मनीष कनाडा और अमेरिका से ट्रांजैक्शन करता था। मनीष ने 12वीं तक खगड़िया में ही पढ़ाई की। 10वीं में उसने जिले में टॉप किया।

फोन-आईपैड का पासवर्ड नहीं बता रहा पुलिस ने आरोपी के पास से 5 आईफोन, स्मार्टवॉच, ड्रव्स और 4 टीबी की हार्ड डिस्क बरामद की है। इन डिवाइस में मौजूद कॉल रिकॉर्ड, ईट, ई-मेल, सोशल मीडिया अकाउंट, फोटो, वीडियो, दस्तावेज और बैंकिंग गतिविधियों से पुलिस को पूरे नेटवर्क की जानकारी मिल सकती है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि मनीष किन लोगों से संपर्क में था। लेकिन फर्जी आईएसएस फोन और आईपैड का पासवर्ड नहीं बता रहा है। पुलिस अब एक्सपर्ट से मनीष का फोन-आईपैड अनलॉक करवा सकती है।

सियासत : भाजपा सांसद ने पूछा- राहुल झारखंड क्यों नहीं गए, प्रियंका का जवाब- वे छात्रों से मिल चुके

संसद परिसर में एनडीए-कांग्रेस सांसद आमने-सामने आए, जमकर नारेबाजी



नई दिल्ली/ए। संसद परिसर में एनडीए और इंडिया ब्लाक के सांसदों ने मंगलवार को एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चों से भागने का आरोप लगाया, जबकि विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ गए।

प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने पर भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाने लगे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने पूछा कि राहुल झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों से क्यों नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका मुस्कराती हुई उनके पास गईं और कहा- राहुल झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल चुके हैं। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार तक स्थगित: लोकसभा और राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही पहले 11 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर 2 बजे सदन दोबारा शुरू हुआ, लेकिन करीब आधे घंटे बाद ही हंगामे के चलते कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई।

एफसीआरए बिल को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने पर विचार

नई दिल्ली/ए। विदेशी अंशदान विनियमन कानून (एफसीआरए) में संशोधन को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट आ गई है। गैर-सरकारी संगठनों और विभिन्न संस्थाओं को मिलने वाली विदेशी फंडिंग को अधिक पारदर्शी और सख्त बनाने के उद्देश्य से लाए जा रहे इस संशोधन विधेयक पर सरकार और विपक्ष पूरी तरह आमने-सामने खड़े हैं।

एक तरफ जहां सरकार इस कानून के जरिए विदेशी धन के संभावित दुरुपयोग को रोकने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के

आम सहमति का रास्ता तलाश रही सरकार

विदेश से मिलने वाले फंड और अनुदान को नियंत्रित करने वाले विवादित एफसीआरए पर केंद्र सरकार बैकफुट पर जाने के बजाय आम सहमति का रास्ता तलाशी नजर आ रही है। सुत्रों से मिली



विचार कर रही है।

तर्क दे रही है, वहीं विपक्षी दल इसे सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर सीधा हमला करार दे रहे हैं। इस बढ़ते राजनीतिक

गतिरोध को समाप्त करने और संसद के भीतर एक सर्वसम्मत रास्ता निकालने के लिए अब सरकार विधेयक को सीधे

विपक्षों दलों के प्रमुख नेताओं से बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के तुरंत बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने लोकसभा स्पीकर से बंद कमरे में बैठक की। इससे पहले वे गतिरोध खत्म करने और विधेयक पर चर्चा की जमीन तैयार करने के लिए विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं के साथ भी कई दौर की बातचीत कर चुके हैं।

पारित कराने के बजाय इसे संसद की संयुक्त समिति को सौंपने की रणनीतिक तैयारी में जुट गई है।

वन पर्यटन को विस्तार देकर होम स्टे से जनजातियों की बढ़ायें आय: मुख्यमंत्री

नवप्रदेश/भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन विभाग प्रदेश में तेजी से बढ़ रही पर्यटन संभावनाओं को दृष्टिगत करते हुए वन पर्यटन के विकास पर विशेष फोकस करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में जहाँ-जहाँ वन पर्यटन के विकास और विस्तार की सहज संभावनाएं उपलब्ध हैं, वहां वन विभाग पर्यटन विभाग के साथ समन्वय करें और ठोस कार्य योजना तैयार कर उस पर अमल करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की प्राकृतिक संपदा, जैव विविधता और वन्य प्राणी पर्यटन की अपार संभावनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने में



महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए संतोषित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष रूप से होम स्टे को बढ़ावा देते पर जोर देते हुए कहा कि इससे स्थानीय लोगों,

वनवासियों और जनजातीय परिवारों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और आमदनी के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वन पर्यटन का लाभ केवल पर्यटकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जंगलों के बीच और आसपास रहने वाले वनवासियों एवं जनजातीय परिवारों की समृद्धि का माध्यम भी

बनना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के विस्तार में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इससे एक ओर पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को समझने का अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण एवं जनजातीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दूसरे राज्यों से सतत सम्पर्क में रहें, उनसे वयस्क और स्वस्थ वन्य प्राणियों का आदान-प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्रप्रदेश, आसाम, कर्नाटक के मध्यप्रदेश में उपलब्ध बाघ देकर उनसे हाथी, गेंडे और अन्य वन्य प्राणी लिए जाएं।

12.50 लाख के नकली नोट, 3 गिरफ्तार

n कलर प्रिंटर से छाप रहे थे जाली नोट, पूछताछ में सामने आया पूरा नेटवर्क

कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम पुलिस ने नकली नोट बनाने और उन्हें बाजार में खपाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना बोडला की चौकी पोंडी और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 12.50 लाख रुपए के नकली नोट, कलर प्रिंटर, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त टाटा पंच ईवी कार बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी जुलाई 2026 से कलर प्रिंटर के माध्यम से नकली नोट तैयार कर



n 3.75 लाख की उधारी लौटाने के नाम पर 4.50 लाख के नकली नोट देने पहुंचे थे आरोपी



उन्हें असली रकम के रूप में चलाने की कोशिश कर रहे थे। मामला तब सामने आया जब ग्राम कमराखोल निवासी दिनेश कुमार यादव ने चौकी पोंडी में शिकायत दर्ज कराई। दिनेश ने अप्रैल 2026

में घुरवा राम को 3.75 लाख रुपए उधार दिए थे। रकम वापस मांगने पर घुरवा राम ने सतीश कुमार के माध्यम से पैसे भेजने की बात कही और दिनेश को ग्राम पोंडी स्थित शराब भट्टी के पास बुलाया।

कोचरब आश्रम : 150 वर्ष पुराने बंगले में तैयार हुई सत्याग्रह की जमीन,

जहां गांधी ने आजादी की लड़ाई से पहले गढ़े सत्याग्रह के संस्कार

हेमन्त धोटे

अहमदाबाद/रायपुर/नवप्रदेश।

आजादी की लड़ाई में साबरमती आश्रम की भूमिका इतिहास के पन्नों में दर्ज है, लेकिन इस संघर्ष की वैचारिक जमीन उससे पहले अहमदाबाद के कोचरब आश्रम में तैयार हुई थी। एक बंगले में वर्ष 1915 में शुरू हुआ यह आश्रम गांधीजी के लिए केवल निवास नहीं, बल्कि भारत में सत्याग्रह, आत्मशासन, स्वदेशी, सामाजिक समानता और सामुदायिक जीवन की पहली प्रयोगशाला बना।

जीवनलाल का बंगला बना आंदोलन की प्रयोगशाला

गांधीजी के मित्र और बैरिस्टर जीवनलाल देसाई का करीब 150 वर्ष पुराना बंगला कोचरब आश्रम का पहला ठिकाना बना। इसकी निचली मंजिल पर आश्रमवासी जमीन उससे पहले रहते थे और ऊपरी मंजिल पर बैठकें होती थीं। इन्हीं बैठकों में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े विचारों और प्रारंभिक रणनीतियों पर मंजूर किया गया। यह ऐतिहासिक कक्ष आज भी 'सत्याग्रह मेमोरियल हॉल' के रूप में संरक्षित है। दक्षिण आफ्रीका के फ्रीनिक्स सेटलमेंट और टॉलेंटोय फार्म में गांधीजी ने जिन प्रयोगों का अनुभव प्राप्त किया था, उन्हें भारत की सामाजिक परिस्थितियों में पहली बार कोचरब में उतारा गया।



11 व्रतों से तैयार किया सत्याग्रही का चरित्र

गांधीजी का मानना था कि राजनीतिक आंदोलन की सफलता के लिए सत्याग्रही का चरित्र भी मजबूत होना चाहिए। कोचरब आश्रम में इसी उद्देश्य से 11 जीवन-व्रतों की व्यवस्था विकसित हुई- सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अस्तेय, अपरिग्रह, अस्वाद, शारीरिक श्रम, स्वदेशी, अभय, असुर्यता निवारण और सर्वधर्म सम्मभाव। ये केवल आश्रम के नियम नहीं थे। आगे चलकर सत्य, अहिंसा, स्वदेशी, निर्भयता और सामाजिक समानता जैसे विचार गांधी के नेतृत्व वाले स्वतंत्रता आंदोलन की पहचान बने। कोचरब में इन सिद्धांतों को पहले स्वयं के जीवन में उतारने और फिर समाज तक पहुंचाने का प्रयोग हुआ।

सामाजिक आजादी की लड़ाई पहले शुरू की गई

कोचरब आश्रम ने स्वतंत्रता आंदोलन को केवल सत्याग्रह की राह ही नहीं दिखाई, बल्कि सामाजिक समानता को भी उसके केंद्र में रखा। गांधीजी ने दलित परिवार-दूधभाई, दानीबेन और उनकी पुत्री लक्ष्मी को आश्रम में रहने की अनुमति दी। उस समय इस फैसले का तीखा विरोध हुआ। आश्रम को मिलने वाली आर्थिक सहायता तक बंद हो गई और उसके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। इसके बावजूद गांधीजी अपने निर्णय से पीछे नहीं हटे। यह घटना बताती है कि उनके लिए अंग्रेजी शासन से स्वतंत्रता और भारतीय समाज को असुर्यता से मुक्ति दिलाने की लड़ाई एक-दूसरे से अलग नहीं थीं।

तिरंगे के रंग में रंगा जगदलपुर,भारत माता के जयघोष से गूंजा शहर

■ **दंतेश्वरी मंदिर से निकली भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का सैलाब, हजारों विद्यार्थी और शहरवासी बने गौरवशाली कारवां का हिस्सा**

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व बेला में मंगलवार को जगदलपुर राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर दिखाई दिया। ‘हर घर तिरंगा’ अभियान के तहत दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण से निकली भव्य तिरंगा यात्रा ने पूरे शहर में देशप्रेम की ऐसी लहर पैदा कर दी, जिसमें हर उम्र के लोग शामिल होते नजर आए। हाथों में शान से लहराते तिरंगे, गगनभेदी भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारों से शहर की सड़कें गूंज उठीं। ऐसा लगा मानो पूरा जगदलपुर तिरंगे की आन, बान और शान के साथ राष्ट्रभक्ति के एक सूत्र में बंध गया हो।

तिरंगा यात्रा में महापौर संजय पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, बस्तर महाराजा कमलचंद भंजदेव,

भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे, निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर सीपी बघेल एवं निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और शहरवासी शामिल हुए। विभिन्न स्कूलों से पहुंचे हजारों विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों की जोशीली भागीदारी ने यात्रा को विशेष रूप से भावनात्मक और भव्य बना दिया।

प्रमुख मार्गों से गुजरा राष्ट्रभक्ति का कारवां

दंतेश्वरी मंदिर से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा सीरासार चौक, गोल बाजार, मेन रोड, कोतवाली, शहीद पार्क, चांदनी चौक और संजय मार्केट चौक से होकर पुनः दंतेश्वरी मंदिर पहुंची। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने तिरंगे का अभिवादन किया। भारत माता के जयघोष और देशभक्ति के नारों के बीच सड़क के दोनों ओर राष्ट्रध्वजों की



ये रहे सम्मिलित

इस दौरान पूर्व महापौर सफ़ीरा साहू,ललिता बघेल,राजकुमारी यादव, भाजपा जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्राही,परिश बेसरा, एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्राही,लक्ष्मण झा,सुरेश गुप्ता, संजय विश्वकर्मा,योगेंद्र पांडे,त्रिवेणी रंधारी,श्वेता बघेल,संग्राम सिंह राणा,पश्चिम मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा,पूर्वी मंडल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव,उमा मिश्रा, पूनम सिन्हा,पितामह नायक, आलोक अवस्थी,पारुल बोथरा,नरसिंह राव,आशा साहू,संतोष गौर, बसंती समरथ, उर्मिला यादव,गायत्री बघेल,रोशन सिंसोदिया सहित एल्टरमेन यशवर्धन राव,लक्ष्मी कश्यप,अतुल कोशल, राजेश श्रीवास्तव, आशुतोष पॉल सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कतार दिखाई दी। विद्यार्थियों और युवाओं में विशेष उत्साह रहा तथा पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत नजर आया।

तिरंगा यात्रा रैली की शुरुआत, लोगों में दिखा उत्साह

कांकेर/नवप्रदेश। देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे लगाए। साथ ही नगरवासियों ने विद्यार्थियों को चॉकलेट व टॉफी बांटकर उत्साहवर्धन किया। तिरंगा यात्रा रैली की शुरुआत राष्ट्रीय वंदे मातरम् का गायन कर की गई।

92 फीट तिरंगा बना आकर्षण का केंद्र : इस दौरान रैली में शामिल विद्यार्थियों ने 92 फीट लंबा तथा 5 फीट चौड़ा तिरंगा का प्रदर्शन किया। उन्होंने पूरे उत्साह के साथ उक्त तिरंगा को नगर के विभिन्न मार्गों व चौक-चौराहों पर लहराते हुए यात्रा निकाली, जो नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। इसी तरह



सेंट माइकल इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों की बैंड टोली में शामिल छात्राएं राष्ट्रीय की धुन पर वाद्य यंत्र बजाते हुए रैली में शामिल हुईं। इसके तहत नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने

घर पर पहनने एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गायन के लिए प्रेरित किया गया, जिससे आमजन में देश भक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत हो।

महापौर ने कहा—राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, कर्तव्य निभाने में है

यात्रा के दौरान महापौर संजय पांडे ने कहा कि तिरंगा हाथ में लेकर चलना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि

राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर है। तिरंगा उन वीर शहीदों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की जीवंत पहचान है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर

दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगे का केसरिया रंग साहस और त्याग, सफेद रंग सत्य और शांति तथा हरा रंग समृद्धि, विकास और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है।

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन’ की विस्तृत जानकारी दी



चारामा/नवप्रदेश। 11 अगस्त 2026 को जनपद पंचायत चारामा अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला में क्षेत्र की 64 ग्राम पंचायतों के सरपंचों, उप-सरपंचों और पंचों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण रोजगार ढांचे में व्यापक परिवर्तन लाना है, जिसके तहत सभी ग्रामीण परिवारों के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मिलने वाले वैधानिक रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन करने के विषय में विस्तार से बताया गया। यह योजना परिणाम-उन्मुख कार्यों और डिजिटली एकीकृत नियोजन के माध्यम से जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसररचना, आजीविका परिसंपत्तियों तथा आपदा प्रबंधन की तैयारी को प्राथमिकता देती है। प्रशसन में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणिकरण, जियो-रेफ़रेंसिंग, डिजिटल निगरानी और समयबद्ध मजदूरी भुगतान जैसी प्रौद्योगिकी-सक्षम व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। इसके अलावा अनिवार्य सोशल ऑडिट, सुदृढ़ निगरानी तंत्र और शिक्षागत निवारण प्रणाली इसके नियमों को और अधिक सशक्त बनाते हैं, जिससे यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को सतत ग्राम विकास और स्थायी परिसंपत्ति निर्माण के उप्रेकर के रूप में स्थापित करेगा। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.एस. कंवर, कार्यक्रम अधिकारी नोमेश कोमरा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन वर्षों में जिले के 33 हजार से अधिक किसानों को मिली फसल बीमा दावा राशि

कांकेर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए फसल उत्पादन में होने वाले विभिन्न जोखिमों से सुरक्षा का प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। योजना के अंतर्गत जिले में विगत तीन वर्षों में औसत उपज से कम उत्पादन होने के कारण 33 हजार 200 बीमित किसानों को 68 करोड़ 99 लाख रुपये की दावा राशि का भुगतान बीमा कंपनी के माध्यम से किया गया है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 में कांकेर जिले की 8 तहसीलों के 24 हजार 692 किसानों को 54 करोड़ 01 लाख रुपये, वर्ष 2024 में 11 तहसीलों के 04 हजार 376 किसानों को 06 करोड़ 73 लाख रुपये तथा वर्ष 2025 में 11 तहसीलों के 04 हजार 132 किसानों को 08 करोड़ 25 लाख रुपये की दावा राशि का भुगतान किया गया। यह आंकड़ा बताता है कि फसल बीमा योजना फसल उत्पादन में विभिन्न जोखिमों जैसे- ओलावृष्टि, जलभराव, बेमौसम एवं चक्रवाती बारिश सहित फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में उपज में आई कमी की पूर्ति के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एक कारगर एवं लाभदायक उपाय के रूप में उपरकर सामने आया है। योजना के लाभ को देखते हुए इस वर्ष भी किसान बड़-चढ़कर फसलों का बीमा कराने के लिए आगे आ रहे हैं, अब तक 50 हजार 918 किसानों के द्वारा 91 हजार 550 हेक्टेयर का फसल बीमा कराया जा चुका है। फसल बीमा कराने के लिए शासन द्वारा 14 अगस्त तक ऑनम तिथि निर्धारित की गई है। उक्त निर्धारित तिथि तक जिले के किसान भाई इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

बिरेंबेड़ा के ग्रामीणों को पेयजल के लिए अब तय नहीं करनी पड़ती दूरी

कांकेर/नवप्रदेश। जल जीवन मिशन के तहत जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में क्रेड के सोलर पंपों से पेयजल की आपूर्ति हो रही है। जिन गांवों में पहले पीने के पानी के लिए जड़ोजहद कर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं आज सोलर पंपों से स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल गांवों के प्रत्येक घर में पहुंच रहा है। कुछ साल पहले ग्रामीण महिलाओं को पानी भरने के लिए काफी दूर चलना पड़ता था, कुओं व हैण्डपंपों पर घंटों लड़ाई लगानी पड़ती थी लेकिन आज स्थिति बेहतर हो गई है। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा क्षेत्र के वनांचल ग्राम बिरेंबेड़ा में जल जल जीवन मिशन योजना के तहत 02 नग सोलर पेयजल पंपों की स्थापना छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा किया गया है। सोलर पेयजल पंपों की स्थापना से उन्हें गंदे पानी की समस्याओं से मुक्ति मिली है। वर्तमान में सोलर ड्यूल पंप की स्थापना से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। सहायक अभियंता क्रेडा ने बताया कि सोलर ड्यूल पंप स्थापना के पूर्व ग्रामीण जन पेयजल हेतु ग्राम से दूर स्थल नदी, नाला कुंआ तथा ग्राम में स्थापित हैण्ड पंप पर निर्भर रहते थे, जिससे उन्हें बहुत समय, शारीरिक कष्ट एवं परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों का पेयजल के लिए संघर्ष करने से समय अधिक व्यतीत होता था इस कारण उनके अन्य दैनिक कार्य प्रभावित होते थे, किन्तु अब ग्राम में सोलर ड्यूल पंप स्थापित हो जाने से सुगमता से सभी परिवारों को शुद्ध एवं साफपेयजल मिल रहा है, जिससे ग्रामीणों का समय भी बच रहा है।

600 साल पुरानी परंपरा, 75 दिनों तक गूंजेगा बस्तर दशहरा

■ **पाट जात्रा पूजा विधान के साथ कल से शुरू होगा विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक पर्व**

■ **मां दंतेश्वरी की आराधना से शुरू होकर 27 अक्टूबर को मावली माता की डोली विदाई के साथ होगा समापन**



विश्व प्रसिद्ध पर्व बस्तर की लोक आस्था, संस्कृति और देवी परंपरा का अद्वितीय स्वरूप है। पाट जात्रा के दौरान पारंपरिक मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी, पटेल, नाईक-पाईक और सेवादार रथ निर्माण के लिए औजार तैयार करने की उत्तलू खोटला रस्म निभाएंगे। बस्तर दशहरा समिति ने सभी पारंपरिक पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों से पूजा विधान में शामिल होने का

आग्रह किया है। 24 सितंबर को डेरी गडई, 10 अक्टूबर को काछनगादी, 11 अक्टूबर को कलश स्थापना और 12 अक्टूबर को जोगी बिठई होगी। 13 से 18 अक्टूबर तक नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा, 18 अक्टूबर को बेल पूजा, 19 अक्टूबर को महाअष्टमी एवं निशा जात्रा और 20 अक्टूबर को कुंवारी पूजा, जोगी उडई तथा मावली परचाव होगा। 21 अक्टूबर को भीतर रैनी और 22

परंपरा ही बस्तर दशहरा की पहचान

बस्तर दशहरा केवल विजयादशमी का पर्व नहीं,बल्कि मां दंतेश्वरी को समर्पित सदियों पुरानी लोक परंपरा है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाले इस पर्व में अनेक विशिष्ट पूजा विधान, रथ परिक्रमा और पारंपरिक रस्में निभाई जाती हैं,जो इसे देश के अन्य दशहरा पर्वों से अलग और विश्व प्रसिद्ध बनाती हैं।

अक्टूबर को बाहर रैनी के साथ रथ परिक्रमा होगी। 23 अक्टूबर को काछन जात्रा के बाद मुरिया दरबार, 24 अक्टूबर को कुटुम्ब जात्रा और 27 अक्टूबर को मावली माता की डोली विदाई के साथ पर्व का समापन होगा।

चारामा में 13 अगस्त को निकलेगी तिरंगा पद यात्रा

चारामा/नवप्रदेश। नक्सल मुक्त बस्तर के बाद प्रवेश द्वार चारामा में पहली बार तिरंगा पद यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी मंडल चारामा के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। भाजपा मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, युवाओं, माताओं-बहनों एवं नगरवासियों से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जानकारी के अनुसार तिरंगा पद यात्रा 13 अगस्त, गुरुवार को सुबह 10:30 बजे समता रंग मंच चारामा से प्रारंभ होगी। यात्रा के दौरान प्रतिभागी हाथों में राष्ट्रीय

ध्वज लेकर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे। यात्रा का मार्ग समता रंग मंच से कोरर चौक, झुलेलाल मंदिर, सरल लाइन, पंडित दीनदयाल उपध्याय चौक एवं भारत माता चौक होते हुए अटल चौक स्थित समता रंग मंच तक निर्धारित किया गया है।

आयोजकों के अनुसार यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम, एकता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा के माध्यम से =एक तिरंगा, एक भारत, श्रेष्ठ भारत= तथा =हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा= का संदेश दिया जाएगा।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ओम

■ **सीटीवीएस सर्जन डॉ. मनोज कुमार महाराणा ने बदलते मौसम में हृदय रोग से बचाव के बताए उपाय**



जगदलपुर/नवप्रदेश। एनालॉग पनीर को लेकर सामने आ रहे मामलों के बीच हृदयरोग विशेषज्ञों ने इसके सेवन से बचने की सलाह दी है। कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के हृदय एवं वक्ष रक्तवाहिका शल्य चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार महाराणा ने कहा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित

भोजन के साथ नियमित व्यायाम और संयमित जीवनचर्या जरूरी है। उन्होंने एनालॉग पनीर के स्थान पर घर में तैयार या विश्वसनीय ब्रांड के पनीर का उपयोग करने की सलाह दी।

डॉ. महाराणा ने हरी पत्तेदार सब्जियां,ताजे बेरीज,बीन्स और मेवे भोजन में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने धूम्रपान और

दिल को स्वस्थ रखने के आसान उपाय

संतुलित भोजन,नियमित व्यायाम,वजन और कॉलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण,धूम्रपान व शराब से दूरी और तनाव कम रखना हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। बदलते मौसम में खानपान पर विशेष ध्यान देने के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच भी कराते रहना चाहिए।

शराब को हृदय के लिए बड़ा खतरा बताते हुए इनसे पूरी तरह बचने की सलाह दी। शरीर का वजन और कॉलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने के साथ प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट तेज चाल से चलना,साइकिलिंग, तैराकी, योग, सीढ़ियों का उपयोग तथा गहरी सांस और ध्यान को दिनचर्या में शामिल करने कहा।

कॉन्टिनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 9 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा कैथलैब का लोकार्पण किया गया था। इसके बाद एक माह में 20 प्रक्रियाएं की गईं। इनमें 11 एंजियोग्राफी, 6 एंजियोप्लास्टी और 3 डिजिटल सबस्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी शामिल हैं।

भूतेश्वर महादेव के अर्द्धनारीश्वर स्वरूप के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

अनिल सामंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। सावन मास में भगवान शिव के दर्शन और पूजन का विशेष महत्व है,लेकिन जगदलपुर के रियासतकालीन लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में सावन की भक्ति का स्वरूप ही निराला है। पूरे सावन माह प्रतिदिन भगवान भूतेश्वर महादेव को अलग-अलग देवी-देवताओं के स्वरूप में श्रृंगारित किया जाता है। यही अनूठी परंपरा श्रद्धालुओं को यहां खींच लाती है। शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण अंचलों और पड़ोसी राज्य ओडिशा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन दुर्लभ स्वरूपों के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।



सोमवार 10 अगस्त को भगवान भूतेश्वर महादेव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया गया। जैसे ही मंदिर का पर्दा हटाकर श्रद्धालुओं के लिए दर्शन खोले गए,भक्तों में भोलेनाथ के इस अलौकिक स्वरूप के दर्शन की होड़ लग गई। करीब आधे घंटे तक



नव प्रदेश विशेष

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। चैतन्य संकीर्तन मंडली के भजनों से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा और भक्त भक्ति में झुमते नजर आए। इस विशेष दर्शन के लिए शहर के अधिकांश वाडों से

श्रद्धालु पहुंचे। ओडिशा के दामनजोड़ी से लगभग 50 श्रद्धालुओं का दल भी बस से भूतेश्वर महादेव के दर्शन करने पहुंचा। श्रद्धालु रामप्रसाद बिसोई,जानकी बिसोई,मोहन बिसोई और हेमंत सेठिया ने कहा कि उन्होंने भूतेश्वर महादेव की

महिमा के बारे में जैसा सुना था, प्रत्यक्ष दर्शन के बाद उससे कहीं अधिक आत्मसंतुष्टि प्राप्त हुई।

श्रृंगार में चार वर्षों से साधना कर रहे आचार्य रोमितराज त्रिपाठी- भूतेश्वर महादेव के सावन मास के श्रृंगार की इस विशिष्ट परंपरा में स्थानीय युवा आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी की साधना और भक्ति विशेष उल्लेखनीय है। पिछले चार वर्षों से वे पूरे सावन माह प्रतिदिन भगवान भूतेश्वर महादेव को विभिन्न देवी-देवताओं के स्वरूप में श्रृंगारित कर रहे हैं। उनके हाथों से होने वाले श्रृंगार में भगवान का स्वरूप इतना जीवंत और आकर्षक प्रतीत होता है कि श्रद्धालु कुछ क्षणों तक निहारे रह जाते हैं। यही श्रृंगार अब भूतेश्वर महादेव के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की उत्सुकता का

हर दिन अलग स्वरूप, हर दर्शन में नई अनुभूति

सावन के पूरे महीने भूतेश्वर महादेव के अलग-अलग स्वरूपों का श्रृंगार श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए आकर्षित कर रहा है। प्रतिदिन होने वाले इस श्रृंगार के पीछे आचार्य पंडित रोमितराज त्रिपाठी की निरंतर साधना और भक्ति जुड़ी है। मंदिर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान के बदलते स्वरूप के साथ भक्ति और आध्यात्मिक अनुभूति का भी अवसर मिल रहा है।

भी प्रमुख आकर्षण बन गया है। **पर्दा हटते ही दर्शन को उमड़ पड़ते हैं श्रद्धालु**

कोलंबिया भूकंप: 7.4 तीव्रता के भूकंप से अब तक 130 से ज्यादा की मौत



सैकड़ों इमारतें क्षतिग्रस्त, 570 से अधिक लोग घायल

पश्चिमी कोलंबिया में सोमवार को 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसमें कम से कम 130 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। कोलंबिया के राष्ट्रपति अबेलाडो डे ला एस्पिरएला ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति अबेलाडो डे ला एस्पिरएला ने आपतकाल की घोषणा की, जिससे भूकंप के बाद राहत एवं पुनर्वास के लिए धनराशि तेजी से उपलब्ध कराई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि वह आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे। भूकंप का केंद्र चोको के ग्रामीण इलाके में था। राष्ट्रपति अबेलाडो डे ला एस्पिरएला ने बोगोटा में बताया कि भूकंप से 1,575 घरों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, छह हवाई अड्डों का बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है, जिसके कारण वहां वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन प्लिनहाल रोक दिया गया है। सरकार ने भूकंप के असर से निपटने के लिए सोमवार को राष्ट्रीय आपदा की स्थिति घोषित कर दी थी। कोलंबियन जियोलाॉजिकल सर्विस के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:34 बजे पश्चिमी कोलंबिया में आया। इसका केंद्र चोको डिपार्टमेंट के सैन होस डेल पाल्मार के पास था और इसकी गहराई 96 किलोमीटर दर्ज की गई।

संगठन ने कहा कि वह प्रभावित डिपार्टमेंट्स की राजधानियों के साथ लगातार संपर्क में है और स्थानीय मेयरों तथा उनकी टीमों से भी बात कर रहा है, ताकि ताजा स्थिति की जानकारी मिल सके, नुकसान का आकलन किया जा सके और सबसे जरूरी राहत जरूरतों की पहचान की जा सके। दुनिया भर के नेताओं ने कोलंबिया के लोगों के प्रति एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया है। फ्रंस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि कोलंबिया फ्रंस की दोस्ती और समर्थन पर भरोसा कर सकता है। उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, «कोलंबिया में आए इस भयानक भूकंप के बाद मैं फ्रंस की ओर से कोलंबिया के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मेरी सोच पीड़ितों, उनके परिवारों, शायतों और इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ है।

होंडा कार्स ने भविष्य की महत्वाकांक्षी योजना के साथ भारत के लिए अपनी प्रतिबद्धता मजबूत की

हाल ही में लॉन्च की गई ग्लोबल एसयूवी ऑल-न्यू होंडा ZR-V और नई होंडा सिटी रायपुर में पेश



रायपुर/नवप्रदेश। भारत में प्रीमियम कारों के मुख्य निर्माता, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने आज भारत में 2030 तक के अपने ग्रोथ रोडमैप और अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के बारे में बताया। कंपनी ने कहा कि होंडा के लिए भारत दुनिया के सबसे बड़े तीन प्रारंभिक बाजारों में से एक है और कंपनी के भविष्य के विकास में भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

होंडा अपनी दीर्घकालिक विकास योजना के अंतर्गत एक मजबूत पार्टनरशिप और कॉस्ट-एफिशियंट वाहनों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे भारत में कंपनी की स्थिति मजबूत होगी। कंपनी के पोर्टफोलियो में ग्लोबल एसयूवी के साथ भारत पर केंद्रित वाहन भी शामिल होंगे। कंपनी ने यह घोषणा भी की कि 2028 से कंपनी सब-4-मीटर एसयूवी और मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में नए वाहन पेश

करेगी। ये वाहन ग्राहकों की बदलती पसंद और बाजार में बढ़ते अवसरों के अनुरूप होंगे। कंपनी के रोडमैप में वित्तवर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में होंडा कार्स इंडिया का पहला बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल है। इस मॉडल की रोड टेस्टिंग भारत में शुरू हो चुकी है। यह होंडा के इलेक्ट्रिफिकेशन के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। कंपनी ने नई लॉन्च की गई होंडा सिटी का प्रदर्शन भी किया। यह एक नए स्पेटी डिजाइन, ज्यादा प्रीमियम फीचर्स, आधुनिक सुरक्षा टेक्नोलॉजी और पेट्रोल एवं मजबूत हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्पों के साथ आ रही है। इसके अलावा, होंडा ने ऑल-न्यू होंडा ZR-V की डिटेल्स भी साझा कीं, जो कंपनी द्वारा पेश की गई नई ग्लोबल प्रीमियम हाइब्रिड एसयूवी है।

3300 करोड़ का हिसाब ऑडिट में साफ मैनुअल कैश सॉर्टिंग के दौरान हुई चोरी

नई दिल्ली/ए। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावे की रकम को लेकर उठे सवालों के बीच सरकार की ओर से बड़ा स्पष्टीकरण सामने आया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, राम मंदिर के लिए ब्रह्मलुओं से मिले करीब 3300 करोड़ रुपये का स्वतंत्र ऑडिट कराया गया है और इसमें किसी बड़े वित्तीय घोटाले या सिस्टम स्तर की वित्तीय अनियमितता के प्रमाण नहीं मिले हैं। सूत्रों का कहना है कि जिस चोरी को लेकर विवाद खड़ा हुआ, वह मुख्य खातों में नहीं बल्कि नोटों की मैनुअल छेड़छाड़ यानी मैनुअल कैश सॉर्टिंग के दौरान हुई थी। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर 3300 करोड़ रुपये का हिसाब ऑडिट में साफ है तो चोरी आखिर हुई कहां? सूत्रों के मुताबिक, दान पेटियों से निकली नकदी को मशीन से गिनने से पहले हथ से अलग-अलग



3300 करोड़ का हुआ स्वतंत्र ऑडिट

सरकारी सूत्रों के अनुसार, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले करीब 3300 करोड़ रुपये का बाहरी ऑडिट एम/एस वी. शंकर अय्यर एंड कंपनी ने किया। ऑडिट में ट्रस्ट की आय-व्यय और प्रमुख वित्तीय लेन-देन की जांच की गई। सूत्रों का दावा है कि मंदिर निर्माण और जमीन खरीद जैसे बड़े खर्चों में बैंकिंग माध्यम का इस्तेमाल किया गया और इन भुगतानों में कैश लेन-देन नहीं हुआ।

कने की प्रक्रिया में चोरी हुई। यानी नोटों की मैनुअल सॉर्टिंग के दौरान कुछ कर्मचारियों पर नकदी निकालने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक,

चंपत राय का इस्तीफा और नए बदलाव

दान में गबन और चोरी के आरोप लगने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे ट्रस्ट ने स्वीकार कर लिया। पूर्व आरएसएस प्रचारक और सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी कृष्ण मोहन को अंतरिम महासचिव नियुक्त किया गया है। दान पेटों से नकद चोरी और अनियमितताओं के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल की जांच के आधार पर पुलिस अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सीसीटीवी फुटेज, रिकवरी और वित्तीय दस्तावेजों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

कैश काउंटिंग से जुड़ी प्रक्रिया में खट्टू और सैनिक सिक्वैरेटो सर्विसेज (SSS) के बीच व्यवस्था थी।

तमिलनाडु विधानसभा में एफसीआरए संशोधन विधेयक और नीट के खिलाफ प्रस्ताव पेश



चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु वेजी कपगम (TVK) सरकार ने मंगलवार (11 अगस्त 2026) को तमिलनाडु विधानसभा में केंद्र सरकार के बिदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के खिलाफ एक औपचारिक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से पुरजोर आग्रह किया गया है कि वह FCRA संशोधन विधेयक 2026 को इसके वर्तमान स्वरूप में तुरंत वापस ले। इसके साथ ही तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से NEET परीक्षा रद्द करने के बाद इसे पारित कर दिया गया।

प्रवेश की प्रक्रिया को 12वीं कक्षा के अंकों पर आधारित करने का आग्रह किया। स्वास्थ्य मंत्री के.जी. अरुणराज द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव में कहा गया है कि राज्य सरकार लगातार इस बात पर जोर देती रही है कि NEET सामाजिक न्याय और समानता के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षा के संबंध में राज्यों के अधिकारों के भी विरुद्ध है। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया है कि हृद्यध्वज तमिल माध्यम के छात्रों, ग्रामीण और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसरों को गंभीर रूप से बाधित करता है। DMK, AIADMK, PMK और वामपंथी दलों के सदस्यों द्वारा प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के बाद इसे पारित कर दिया गया।

ईडी का एक्शन: 2,000 करोड़ रुपये के चिटफंड घोटाले में करोड़ों की संपत्ति जब्त

182 बैंक खाते हुए प्रीज

भुवनेश्वर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2,000 करोड़ रुपये के बहु-राज्यीय चिट फंड घोटाले के सिलसिले में छापेमारी के दौरान 182 बैंक खाते प्रीज कर दिए हैं। इसके साथ ही 1 करोड़ रुपये से अधिक नकद और छह महंगी कारें जब्त की हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी है।

ईडी ने क्या बताया?

एक्स पर एक पोस्ट में, ईडी ने कहा कि उसके भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने चिट फंड घोटाले की जांच के सिलसिले में विशाखापत्तनम और हैदराबाद में वेलफेयर बिल्डिंग्स एंड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके



निदेशकों से जुड़े पांच परिसरों पर 5 अगस्त को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया। इसमें कहा गया है कि पूर्व आंध्र प्रदेश विधायक मल्ल विलाया प्रसाद, वराह रामकृष्ण सत्य सिनिमस राव अल्ल और अन्य के परिसरों पर छापे मारे गए।

केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि छापेमारी के दौरान, डब्ल्यूबीडीपीएल, उसके निदेशकों और संबंधित संस्थाओं से

विभिन्न चल और अचल संपत्तियों, आपत्तिजनक सामग्री/दस्तावेजों (संपत्ति दस्तावेज, विभिन्न डिजिटल उपकरण) के साथ-साथ 1.01 करोड़ रुपये की भारतीय मुद्रा नकद बरामद कर जब्त की गई। ईडी ने डब्ल्यूबीडीपीएल और उसके निदेशकों के छह महंगी लज्जरी गाड़ियों को जब्त करने के साथ-साथ 182 बैंक खातों को प्रीज करने के आदेश भी जारी किए हैं।

ईडी के भुवनेश्वर कार्यालय ने ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), सीबीआई और झारखंड के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसबीबी) और से दायर कई एफआईआर और उसके बाद की कार्रवाई के आधार पर जांच शुरू की।

झारखंड में लाठीचार्ज पर दीपके का तीखा सवाल

‘राजनीतिक दलों पर क्यों नहीं, छात्रों पर ही क्यों?’



रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर अब राजनीतिक और सामाजिक समर्थन भी सामने आने लगा है। ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), सीबीआई और झारखंड के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसबीबी) और से दायर कई एफआईआर और उसके बाद की कार्रवाई के आधार पर जांच शुरू की।

दीपके ने उठाए सवाल

झारखंड में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब राजनीतिक दल प्रदर्शन करते हैं तो उनके खिलाफ आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता, लेकिन छात्रों के प्रदर्शन के दौरान ही ऐसी कार्रवाई क्यों की जाती है?

और प्रदर्शन के दौरान हुई कथित पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। वहीं, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी आंदोलनकारी छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से

उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की है। केजरीवाल ने कहा कि छात्रों के खिलाफ हिंसा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। अभिजीत दीपके ने कहा, «मैंने देवेंद्र महतो से बात की। उन्होंने बताया कि पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर होने के बावजूद पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। देश की सभी सरकारों को सोचना चाहिए कि छात्रों पर अत्याचार करके उन्हें आखिर क्या हासिल हो रहा है।» उन्होंने कहा कि छात्रों के खिलाफ इस तरह की बर्बरता नहीं होनी चाहिए। दीपके ने देवेंद्र महतो को हस्तक्षेप समर्थन देने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि झारखंड में उनकी टीम छात्रों के साथ मिलकर

दिल्ली में साइबर ठगी का खुलासा, 9 आरोपी पकड़े

करार-दुबई तक फैला था नेटवर्क, 16 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी सामने आई

नई दिल्ली- दिल्ली पुलिस ने देशभर में साइबर फ्राड से जुड़े 9 लोगों को गिरफ्तार किया। इन पर निवेश के नाम पर लोगों का ठगने का आरोप है। इन्हें पिछले दिनों केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब से पकड़ा गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इन आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि इनका नेटवर्क कतर और दुबई से जुड़ा है। वहां बैठे लोग इनकी मदद करते थे। इनके खिलाफ 34 शिकायतें पुलिस को

मिली थीं। इन पर 15.71 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का आरोप है।लाताजा मामला दिल्ली के पालम कॉलोनी के निवासी की शिकायत के बाद सामने आया। उसने बताया कि उसे निवेश सीखने वाले सोशल मीडिया रूप में जोड़कर फजी ट्रेडिंग ऐप के जरिए मुनाफा दिखाकर निवेश कराया गया।आरोपियों ने खुद को मार्केट एनालिस्ट और निवेश विशेषज्ञ बताया। पीछले नौ दिनों में अलग-अलग बैंक खातों में 4.82 लाख रुपए जमा किए। भरोसा बढ़ाने के लिए उसे थोड़ी रकम निकालने की अनुमति दी गई।

2025 में दुनिया का नंबर-1 शिप रिसाइक्लिंग राष्ट्र बना भारत, वैश्विक हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत पहुंची



नई दिल्ली/ए। भारत वर्ष 2025 में जहाज रिसाइक्लिंग के क्षेत्र में दुनिया में पहले स्थान पर रहा। एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, वैश्विक जहाज रिसाइक्लिंग में भारत की हिस्सेदारी 2024 के 30.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 35.4 प्रतिशत हो गई है। भारत में जहाज रिसाइक्लिंग की मात्रा भी 2024 के 1.86 मिलियन ग्रांस टन से बढ़कर 2025 में 2.99 मिलियन तज्ञ हो गई। यह लगभग 60 प्रतिशत की

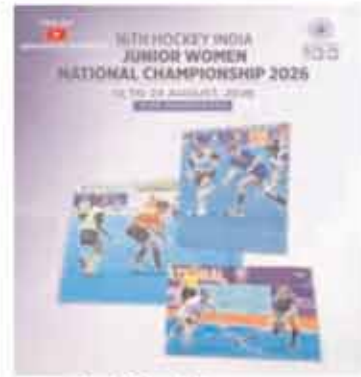
वृद्धि है। फैक्टशीट के अनुसार, गुजरात का अलंग-सोसिया शिप रिसाइक्लिंग क्लस्टर भारत की जहाज रिसाइक्लिंग क्षमता की रीढ़ है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा जहाज रिसाइक्लिंग केंद्र माना जाता है और भारत की कुल जहाज रिसाइक्लिंग गतिविधियों में इसकी हिस्सेदारी करीब 98 प्रतिशत है। अलंग-सोसिया क्लस्टर की वार्षिक रिसाइक्लिंग क्षमता करीब 60 लाख तज्ञ है। यहां प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किए बिना हर

साल लगभग 3.50 मिलियन मीट्रिक टन स्टील का उत्पादन किया जाता है। इस क्षेत्र में अधिकृत जहाज रिसाइक्लिंग यार्ड, स्टील की छानस्ट्रीम ग्री-गैलिंग मिलें और कचरा प्रबंधन से जुड़ा बुनियादी ढांचा मौजूद है। पिछले कुछ वर्षों में अलंग-सोसिया क्लस्टर का व्यापक आधुनिकीकरण किया गया है, जिससे यह वैश्विक जहाज रिसाइक्लिंग बाजार में भारत का प्रमुख केंद्र बन गया है। भारत अब अपनी जहाज रिसाइक्लिंग क्षमता को लगभग दोगुना करके करीब 9 मिलियन लाइट डिस्प्लेसमेंट टन करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके लिए अलंग शिप रिसाइक्लिंग यार्ड के नियोजित विकास के जरिए क्षमता का विस्तार किया जाएगा। अलंग-सोसिया शिप रिसाइक्लिंग

जूनियर महिला नेशनल हॉकी चैंपियनशिप 30 टीमों तीन डिवीजन में लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली/ए। बुधवार से पुणे में शुरू होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला नेशनल चैंपियनशिप 2026 में कुल 30 टीमों हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त तक चलेगा, जिसमें टीमों नेशनल टाइटल के साथ-साथ अपने डिवीजन में प्रमोशन और रेलीगेशन के लिए भी मुकाबला करेंगी। चैंपियनशिप को तीन डिवीजनों डू डिवीजन 'ए', डिवीजन 'बी' और डिवीजन 'सी' में बांटा गया है। यह फॉर्मेट टीमों को उनके स्तर पर खेलने और नेशनल चैंपियनशिप सिस्टम में आगे बढ़ने का अवसर देगा।

डिवीजन 'ए' में 12 टीमों शामिल हैं, जिन्हें चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में झारखंड, पंजाब और चंडीगढ़ हैं। पूल बी में हरियाणा, ओडिशा और बंगाल शामिल हैं। पूल सी में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर हैं, जबकि पूल डी में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश की टीमों हैं। इस डिवीजन का लीग स्टेज 16 अगस्त से शुरू होगा। हर टीम अपने पूल की दूसरी टीमों के खिलाफ खेलेगी। हर पूल की टॉप दो टीमों 20 अगस्त को क्वार्टर



फइनल में पहुंचेंगी। सेमीफइनल 21 अगस्त को होंगे, जबकि तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला और फइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। डिवीजन 'ए' की 12 टीमों प्रतिष्ठित नेशनल चैंपियनशिप टाइटल के लिए भिड़ेंगी। 11वें और 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों के अगले संस्करण में डिवीजन 'बी' में भेज दिया जाएगा। डिवीजन 'बी' और 'सी' में भी प्रमोशन-रेलीगेशन डिवीजन 'बी' में 10 टीमों होंगी, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है।

कब रिलीज हो पाएगी 'रणबाली'?

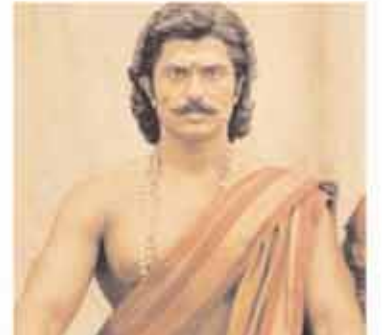
मुंबई। रश्मिका मंदाना इन दिनों घर पर आराम कर रही हैं। बीते दिनों उन्हें एक फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर चोट लग गई थी, जिससे वह धीरे-धीरे उबर रही हैं। हालांकि, अभी भी बड़ा सवाल यह है कि क्या रश्मिका की इस चोट से उनकी फिल्म 'रणबाली' की रिलीज पर फर्क पड़ेगा? जाने फिल्म रिलीज होगी यह फिल्म।

क्या 'रणबाली' के सेट पर लौटेंगी एक्ट्रेस?

रश्मिका को बीते दिनों फिल्म 'मेसा' के सेट पर एक डंस सीन फिल्माने के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद से ही वे बेड रेस्ट पर हैं। अब गुल्टे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रश्मिका जल्द से जल्द सेट पर लौटकर 'रणबाली' में अपने बचे हुए हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहती हैं, जिससे फिल्म की शूटिंग को समय से पूरा किया जा सके।

शूटिंग में घायल हुई थीं एक्ट्रेस

बीते दिनों एक्ट्रेस ने अपनी चोट की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी थी। उन्होंने पोस्ट में चोट लगने का कारण और स्थिति बताई थी। इसके साथ ही उन्होंने बताया था कि वह घर पर आराम कर रही हैं। क्या लिखा था एक्ट्रेस ने? जानिए...



कब रिलीज होगी फिल्म 'रणबाली'?

रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं।

मेकर्स इस फिल्म को 30 अक्टूबर तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म रश्मिका मंदाना के साथ विजय देवरकोंडा भी लीड रोल में हैं।

यह विजय और रश्मिका की शादी के बाद साथ में पहली फिल्म होगी।

‘अंतर्गीता’ बनेगी आपका साथी, बताएंगी जिंदगी की उलझनों का रास्ता , जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स ने 90 हजार रुपए में तैयार किया ऐप

नवप्रदेश/जबलपुर। स्टूडेंट्स के बढ़ते तनाव और मानसिक दबाव के बीच जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स ने ‘अंतर्गीता’ ऐप तैयार किया है। यह ऐप भगवद्गीता के उपदेश से यूजर के जीवन की समस्याओं को समझने और उनके समाधान की दिशा तलाशने में मदद करेगा।

ऐप रोजाना गीता की सीख के माध्यम से जीवन में सही मार्ग चुनने के लिए मार्गदर्शन भी देगा। खास बात यह है कि ऐप यूजर की डायरी, रोजाना की गतिविधियों और व्यवहार का विश्लेषण कर पर्सनलाइज्ड फीडबैक भी देगा। करीब 90 हजार रुपए की लागत से तैयार इस ऐप को जल्द ही प्ले स्टोर पर उपलब्ध कराने की तैयारी है। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर सौरभ सिंह ने बताया कि ऐप बनाने की शुरुआत खुद को समझने की कोशिश से हुई। वे लंबे समय से किताबें पढ़ने और खुद को समझने का प्रयास करते थे। उनके मन में विचार आया कि अगर कोई ऐसी डायरी हो, जो सिर्फ हमारी बातें दर्ज न करे, बल्कि हमें



समझे और जरूरत के समय सही सलाह भी दे, तो वह एक अच्छे साथी की तरह काम कर सकती है। इसी विचार को एआई से जोड़कर ऐप बनाने की शुरुआत हुई। प्राचार्य राजीव चांडक ने बताया कि यह ऐप अब पूरी तरह बनकर तैयार है, इसका विमोचन जल्दी ही होगा।

लिया गया। लोगों से यह समझने की कोशिश की गई कि ऐसा डिजिटल कपेनियन उनकी व्यक्तिगत और प्रोफेशनल लाइफ में किस तरह मदद कर सकता है। फीडबैक के आधार पर ऐप में कई नए फीचर्स जोड़े गए। पिछले करीब एक साल से इसके डेवलपमेंट पर लगातार काम किया जा रहा है। अब इसमें डायरी, बिहेवियर एनालिसिस, डिजिटल वेलबीइंग, कर्मा-बारे सामने आ रही समस्याओं को पहचानना भी है। इस ऐप को विकसित करने में प्रोफेसर डॉ. सौरभ सिंह (प्रोजेक्ट लीड) डॉ. माधुरी गोखले ने ऐप की ओवरऑल प्रेजेंटेशन और डिजाइन पर कार्य किया तथा गीता का उपयोग कर प्रॉब्लम-सॉल्विंग

फीचर विकसित करने में योगदान दिया। स्टूडेंट अविषा गुप्ता ने एआई डायरी के लिए भगवद्गीता की सामग्री को वेक्टर डाटाबेस में संरचित कर एआई के अनुरूप तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। दिनकर दुबे ने ऐप के यूआई /यूक्स डिजाइन और डिप्लॉयमेंट की जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा प्रो. देवयानी सोनी एवं प्रो. सुधांशु डोले ने ऐप के ऑडियो और वीडियो कंटेंट के कस्टमाइजेशन पर कार्य किया। वहीं, डीन रिसर्च डॉ. कमल कुशवाहा ने कॉलेज में उपलब्ध रिसर्च सुविधाएं दिलवाकर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

न्यूज गैलरी

जिले में संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 06 सितंबर को

जबलपुर। उस्ताद अलाउद्दीन खॉं संगीत एवं कला अकादमी, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर सुगम संगीत संभागीय प्रतियोगिता वर्ष 2026-27 का आयोजन 06 से 15 सितम्बर, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष जबलपुर संभाग की प्रतियोगिता 06 सितम्बर, 2026 को सुरप्रभा संगीत महाविद्यालय, जबलपुर में आयोजित होगी। अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रतिस्पर्धायोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के अंतर्गत युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है।

कलेक्टर ने की 122 आवेदन पर जनसुनवाई



जबलपुर। कलेक्टर राधवंद सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 122 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 43 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आए आवेदनों में अनुग्रह सहायता राशि, अतिरक्षण, रिकॉर्ड सुधार, जर्जर मकान, मालिकाना हक दिलाने, धान का भुगतान, सीमांकन, नामान्तरण एवं बैंक शाखा से संबंधित शिकायत थे। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर रविशंकर राय, ए के सिंह, शैलेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर हिमांशु सोनी तथा सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रावेन्द्र कुमार वर्मा बने टग ऑफ वार के प्रभारी

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में कार्यरत रावेन्द्र कुमार वर्मा को रस्साकशी (टग ऑफ वार) खेल का प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावशील रहेगी। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने रावेन्द्र कुमार वर्मा को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने खेल अनुभव का उपयोग करते हुए एमपी पावर की टग ऑफ वार टीम को बेहतर प्रशिक्षण देकर अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मंडल की प्रतियोगिता में खिताब जीतने के लिए प्रेरित करेंगे।

स्नान दान, हरियाली अमावस्या आज , नर्मदा तटों पर लगेगी आस्था की डुबकी
जबलपुर। सावन के महीने में वृक्षों को संरक्षित रखने और पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने की भावना के साथ हरियाली अमावस्या मनाने और इस दिन वृक्षारोपण करने की परंपरा है। इस अवसर पर पवित्र नदियों में स्नान और दान भी पुण्य लाभ के लिए किया जाता है। सावन के महीने में पड़ने के कारण इसे हरियाली अमावस्या भी कहा जाता है। हरियाली अमावस्या को लेकर धर्मावलंबियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पंडितों के अनुसार श्रावण कृष्ण पक्ष में अमावस्या पड़ने के कारण इसे हरियाली अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और नर्मदा का स्नान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। पीपल के पेड़ की 108 बार परिक्रमा करने का भी विधान है। महिलाएं इस दिन पूरी आस्था के साथ स्नान दान व्रत रखती हैं। मान्यतानुसार पीपल के वृक्ष में 36 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। अमावस्या पर पूजन से सभी मन्त्रों पूरी होती है।

क्या है महत्व: हरियाली अमावस्या का पुराणों में विशेष महत्त्व बतलाया गया है। हरियाली अमावस्या भी स्नान दान का पर्व है। पंडित पीएल गौतमाचार्य का कहना है कि सावन माह में हरियाली अमावस्या विशेष पुण्यकारी मानी जाती है। इस दिन स्नान तथा दीन-हीन, असाध्य लोगों को दान देने से साधकों को पितृ दोष, कालसर्प दोष और शनि दोष से मुक्ति मिलती है। इस दिन व्रत रहकर स्नान-दान करने से सन्तान को सुख एवं परिवार में शांति व समृद्धि मिली रहती है। स्त्रियों को वैधव्य नहीं होता और चिरकाल तक सौभाग्य मिलता रहता है। अमावस्या पितृकार्य का दिन है और चन्द्रलोक ही पितृलोक का निवास स्थान है।

सतीश सनपाल को हाईकोर्ट से झटका

एफआईआर रह करने से हाईकोर्ट का इंकार

नवप्रदेश/जबलपुर।

दुबई में रह रहे कारोबारी सतीश सनपाल को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने जांच में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज कराने और लॉर्डगंज थाने में दर्ज एफआईआर रह करने की उनकी मांग खारिज कर दी। यह फैसला जस्टिस हिमांशु जोशी ने मंगलवार 11 अगस्त को सुनाया।



नहीं आए हैं। ऐसे में उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जांच में शामिल होने के बजाय वीडियो कॉल के माध्यम से अपना बयान दर्ज कराने की अनुमति मांगी थी। इसके साथ ही लॉर्डगंज थाने में दर्ज क्राइम नंबर 441/2022 की एफआईआर को भी चुनौती दी गई थी।

जांच का तरीका तय करना पुलिस का अधिकार

हाईकोर्ट ने माना कि कानून में ऑडियो-वीडियो माध्यम से बयान दर्ज करने का प्रावधान मौजूद है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि जांच में शामिल प्रत्येक

व्यक्ति को अपनी सुविधा के अनुसार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज कराने का अधिकार मिल जाता है। कोर्ट ने कहा कि मामले की परिस्थितियों के अनुसार जांच किस तरीके से आगे बढ़ानी है, यह तय करना जांच एजेंसी का अधिकार है। कोर्ट ने एफआईआर रह करने की मांग भी स्वीकार नहीं की। अदालत के अनुसार मामले में संज्ञेय अपराध से जुड़े आरोपों की जांच अभी जारी है और इस स्तर पर एफआईआर को निरस्त करने का पर्याप्त आधार नहीं है। साथ ही जांच पर रोक लगाने की मांग भी खारिज कर दी गई।

पुलिस ने भेजे थे दो नोटिस

मामले में पुलिस की ओर से सनपाल को 25 जून और 6 जुलाई 2026 को नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने को कहा गया था। सनपाल ने अपने वकील के माध्यम से जवाब देते हुए जांच में सहयोग की बात कही थी, लेकिन व्यक्तिगत उपस्थिति के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बयान दर्ज कराने का प्रस्ताव रखा था। कोर्ट ने कहा कि सनपाल अपनी दलीलें और अन्य सामग्री जांच अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं तथा कानून के तहत उपलब्ध राहत के लिए उचित मंच पर आवेदन कर सकते हैं। फिलहाल लॉर्डगंज थाने की एफआईआर कायम रहेगी और जांच एजेंसी अपने निर्धारित तरीके से कार्रवाई आगे बढ़ा सकेगी। गौरतलब है कि सनपाल से जुड़े वर्ष 2022 के कई आपराधिक प्रकरणों की जांच जबलपुर पुलिस पहले भी कर चुकी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उस समय विभिन्न थाना क्षेत्रों में उनके खिलाफ सट्टा और जुआ अधिनियम से जुड़े मामले दर्ज किए गए थे।

अभय प्रताप सिंह को कांग्रेस में शामिल कराया



जबलपुर। अभय प्रताप सिंह को आज विधिवत रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल कराया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के समक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव की सहमति से अभय प्रताप सिंह को कांग्रेस पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष सोनू दुबे, नेक नारायण सिंह, प्रमोद पटेल, रामेश्वर गिरी, दुर्जन पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पटेल, पणजी जैन सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक यादव ने अभय प्रताप सिंह जी का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि उनके कांग्रेस में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में नई ऊर्जा मिलेगी।

जबलपुर मंडल में तिरंगा रैलियों का आयोजन



नवप्रदेश/जबलपुर। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत जबलपुर स्थित पश्चिम मध्य रेल हाई स्कूल, लोको तलेया में विद्यालय के प्राचार्य के नेतृत्व में तिरंगा रैली आयोजित की गई। रैली में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान एवं ‘वन्दे मातरम्’ का समूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। इसी क्रम में जबलपुर मंडल में दिनांक 09 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत दिनांक 11 अगस्त 2026 को नरसिंहपुर, दमोह एवं सागर रेलवे स्टेशनों पर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना का संदेश दिया।

संदीपनि स्कूल 10 किमी दूर शिट करने पर भड़के छात्र

जबलपुर-दमोह मार्ग पर लगाया जाम

जबलपुर। पाटन में संचालित संदीपनी स्कूल को करीब 10 किलोमीटर दूर ग्राम सकरा में शिफ्ट किए जाने के विरोध में मंगलवार को छात्रों का गुस्सा सड़क पर उतर आया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने जबलपुर-दमोह मार्ग पर पाटन चौराहे के पास चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

छात्रों का कहना था कि पाटन में स्कूल होने से आसपास के गांवों से आने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए आने-जाने में ज्यादा परेशानी नहीं होती थी। अब स्कूल को सकरा स्थानांतरित किए जाने से उन्हें रोजाना करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ेगा। विद्यार्थियों ने कहा कि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए रोज स्कूल तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाएगा। टीसी और फेल करने की धमकी का आरोप: प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने स्कूल के कुछ शिक्षकों पर गंभीर आरोप भी लगाए। विद्यार्थियों का कहना था कि आंदोलन के दौरान उन्हें विरोध खत नहीं करने पर टीसी देने और परीक्षा में फेल करने की धमकी दी गई। छात्रों ने कहा कि वे अपनी परेशानी को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठ रहे हैं, लेकिन उन्हें डराने का प्रयास किया जा रहा है।

अमरकंटक पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर जत

नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव, अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब के निर्देशन में जिले में अवैध रेत उखनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमरकंटक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध रूप से रेत लोड कर बित्री के लिए ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रैली को पकड़कर उसमें भरी रेत जब्त की है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं एसडीओपी पुष्पाजगदह नवीन तिवारी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी अमरकंटक मानिम टोपों के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान चालक आरोपी किशन कुमार बैगा ट्रैक्टर-ट्रैली में अवैध रूप से रेत लोड कर बित्री के लिए ले जाते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रैली



सहित रेत को जब्त कर थाना अमरकंटक में अपराध क्रमांक 133/26 दर्ज किया है। मामले में धारा 303(2), 317(5) बीएनएस, 4/21 खनिज अधिनियम तथा 130(3)/177, 3/181, 5/180 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है। **पुलिस टीम की रही अहम भूमिका:** पूरी कार्रवाई में थाना

अमरकंटक पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। कार्रवाई में थाना प्रभारी मानिम टोपों, सहायक उप-निरीक्षक ईश्वर यादव, आरक्षक 311 कृष्णा सिंह राजावत एवं आरक्षक 322 रवि पटेल शामिल रहे। पुलिस द्वारा अवैध रेत उखनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई किए जाने से रेत माफियाओं में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोतमा नगर इकाई द्वारा आयोजित की गई विशाल तिरंगा यात्रा

नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव अनूपपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोतमा नगर इकाई के तत्वाधान में एक विशाल भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना कल से ही छात्रहित , राष्ट्रहित ,समाज हित में काम करते आया है। विद्यार्थी परिषद अपने रचनात्मक कार्यक्रम की भूमिका को निभाते हुए कोतमा नगर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर एक भव्य विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। नगर मंत्री प्रांजल तिवारी का कहना है कि विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही एक नारा दिया छात्र शक्ति ही राष्ट्र शक्ति होती है,इस नारे आज संपूर्ण कोतमा नगर के छात्र शक्ति ने मिलकर इस विशाल तिरंगा यात्रा में सहभागिता निभाई है निश्चित ही यह कोतमा नगर के लिए एक गौरव का विषय है साथी वक्त के रूप में हनुमान गर्ग जी का कहना है कि विद्यार्थी परिषद एक व्यक्तिगत निर्माण की प्रक्रिया है और पूरे छात्र समुदाय से आवाहन किया कि ऐसे अनुशासित विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय



विद्यार्थी परिषद से आज के छात्रों को जोड़ने की आवश्यकता है साथ ही इस विशाल तिरंगा यात्रा में कोतमा नगर के कई प्रमुख विद्यालयों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस विशाल तिरंगा यात्रा को सफल बनाने में प्रमुख रूप से जिला संगठन मंत्री



शिवंद चतुर्वेदी, भाग संयोजक राज ताम्रकार,रितेश ,भव्य,गौरव, अंश,अनुज ,अनुभव, दीपक, उत्कर्ष ,पवन ,शिवम सौरभ, सिट्ठन, शाश्वत, वंश हार्दिक एवं कई कार्यकर्ताओं के साथ-साथ समस्त छात्र शक्ति उपस्थिति रही।

